सी विजिल-26: 11-19 नवंबर को अखिल भारतीय तटीय रक्षा अभ्यास का पांचवां संस्करण

समाचार-संदर्भ: PIB, 11 नवंबर 2026; अभ्यास-अवधि 11-19 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

अखिल भारतीय तटीय रक्षा अभ्यास 'सी विजिल-26' (Sea Vigil-26) का पांचवां संस्करण 11 से 19 नवंबर 2026 तक हो रहा है, जिसका समन्वय भारतीय नौसेना प्रमुख एजेंसी के रूप में कर रही है। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी 11 नवंबर 2026 को दी। यह देश का सबसे बड़ा तटीय रक्षा अभ्यास है, जो 26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद स्थापित की गई समुद्री सुरक्षा-व्यवस्था की जाँच करता है।

अभ्यास की संरचना: दो चरण

- पहला चरण 'तटीय रक्षा और सुरक्षा तैयारी मूल्यांकन' (Coastal Defence and Security Readiness Evaluation - CDSRE) 11 से 17 नवंबर 2026 तक चलेगा।
- इसके बाद 18 और 19 नवंबर 2026 को समुद्री चरण (Sea Phase) होगा।
- अभ्यास का विस्तार भारत के पूरे तटवर्ती क्षेत्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) तक है; इसमें सभी तटीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के साथ मत्स्यन तथा तटीय समुदाय भी शामिल हैं।

भागीदारी: बहु-एजेंसी अभ्यास

- भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक, तटीय सुरक्षा पुलिस, सीमा शुल्क (कस्टम्स) और अन्य समुद्री एजेंसियों के साधन भाग ले रहे हैं — रिपोर्टों के अनुसार छह मंत्रालयों से जुड़ी 21 एजेंसियाँ इसमें शामिल हैं।

- सुगमता के लिए रक्षा; गृह; पोत परिवहन और जलमार्ग; पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस; तथा पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी मंत्रालय, केंद्र की अन्य एजेंसियाँ और तटीय राज्य/केंद्र शासित प्रदेश साथ हैं।
- भौगोलिक विस्तार, भागी लेने वाली एजेंसियों और इकाइयों की संख्या तथा उद्देश्यों की विविधता में यह अभ्यास अपने-आप में विशेष है।

पृष्ठभूमि: 26/11 से ट्रोपेक्स तक

- 'सी विजिल' की अवधारणा वर्ष 2018 में 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद समुद्री सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपनाए गए उपायों की वैधता जाँचने के लिए की गई थी; यह द्विवार्षिक अभ्यास है।
- यह अभ्यास भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक थिएटर-स्तरीय तैयारी परिचालन अभ्यास (TROPEX) की पूर्व-तैयारी भी है।
- सी विजिल और ट्रोपेक्स मिलकर समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के पूरे स्पेक्ट्रम — तटीय रक्षा से लेकर खुले समुद्र में कार्रवाइयों तक — को सम्बोधित करते हैं।
- राष्ट्रीय स्तर पर सी विजिल शीर्ष स्तर पर देश की समुद्री सुरक्षा और तटीय रक्षा तैयारी का यथार्थ मूल्यांकन देता है।

परीक्षा के लिए भेद

पांचवां संस्करण, तिथियाँ 11-19 नवंबर 2026, दो चरण (CDSRE 11-17 नवंबर; समुद्री चरण 18-19 नवंबर), प्रमुख एजेंसी भारतीय नौसेना, अवधारणा-वर्ष 2018 (26/11 की पृष्ठभूमि में), द्विवार्षिक प्रकृति और TROPEX से संबंध — ये तथ्य अलग-अलग याद रखें। सी विजिल को MILAN जैसे बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों या नसीम अल बह्र जैसे द्विपक्षीय अभ्यासों से न मिलाएँ — यह अखिल भारतीय, बहु-एजेंसी तटीय रक्षा अभ्यास है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: 'सी विजिल-26' अभ्यास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह इस अभ्यास का पांचवां संस्करण है, जो 11-19 नवंबर 2026 को हो रहा है।

II. इसका समन्वय भारतीय तटरक्षक प्रमुख एजेंसी के रूप में कर रहा है।

III. यह दो चरणों — CDSRE और समुद्री चरण — में आयोजित होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल I और III

(c) केवल II और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

- कथन I सही है: पांचवां संस्करण 11-19 नवंबर 2026 को है।
- कथन II गलत है: समन्वय भारतीय नौसेना प्रमुख एजेंसी के रूप में कर रही है; तटरक्षक भागीदार है।
- कथन III सही है: CDSRE चरण 11-17 नवंबर और समुद्री चरण 18-19 नवंबर 2026 को है।

प्रश्न 2: 'सी विजिल' अभ्यास की अवधारणा (2018) किस पृष्ठभूमि में अपनाई गई थी?

(a) 26/11 मुंबई आतंकी हमले

(b) कारगिल युद्ध

(c) उड़ी हमला (2016)

(d) संसद पर हमला (2001)

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

'सी विजिल' की अवधारणा 2018 में 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद अपनाए गए समुद्री सुरक्षा-उपायों की वैधता जाँचने के लिए की गई थी। यह अभ्यास नौसेना के द्विवार्षिक थिएटर-स्तरीय अभ्यास TROPEX की पूर्व-तैयारी भी है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
प्रिलिम्स: सुरक्षा – आंतरिक सुरक्षा, तटीय सुरक्षा-तंत्र, भारतीय नौसेना की भूमिका (GS-III)

संबंधित अध्ययन

- नसीम अल बह्र का 15वां संस्करण: भारत-ओमान समुद्री साझेदारी और महासागर दृष्टि
- इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय संवाद (IPRD) 2026: 3-5 नवंबर को नई दिल्ली में, 18 देश शामिल

स्रोत

1. PIB, रक्षा मंत्रालय: सी विजिल-26, 11 नवंबर 2026 (रिलीज़ आईडी 2335093)
2. द हिंदू: सी विजिल-26, 11 नवंबर 2026
3. टाइम्स ऑफ इंडिया: सी विजिल-26 की शुरुआत, 12 नवंबर 2026